इस्पात मंत्रालय

मांग संख्या 91

इस्पात मंत्रालय

क. वसूलियों को घटाने के बाद, बजट आबंटन इस प्रकार हैः

(करोड़ रुपए)

	मुख्य शीर्ष	बजट 2007-2008			संशोधित 2007-2008			बजट 2008-2009		
		आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़
राजस्व		1.00	84.50	85.50	1.00	75.53	76.53	18.50	77.23	95.73
पूंजी		*65.00*	...	*65.00*	*65.00*	...	*65.00*	*15.50*	...	*15.50*
जोड़		**66.00**	**84.50**	**150.50**	**66.00**	**75.53**	**141.53**	**34.00**	**77.23**	**111.23**
1. सचिवालय-आर्थिक सेवाएं	3451	...	11.62	11.62	...	11.60	11.60	...	13.91	13.91
लौह और इस्पात उद्योग										
2. लौह और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के संवर्धन की योजना	2852	1.00	...	1.00	1.00	...	1.00	18.50	...	18.50
3. सब्सिडी										
3.01 वीआरएस के कार्यान्वयन के लिए जुटाए गए ऋणों के संबंध में हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कन्सट्रक्शन लि. को ब्याज सब्सिडी	2852	...	56.02	56.02	...	56.02	56.02	...	56.02	56.02
3.02 वीआरएस के कार्यान्वयन के लिए बैंकों से लिए गए ऋणों के संबंध में मैकान लि. को ब्याज सब्सिडी	2852	...	6.03	6.03	...	5.95	5.95	...	5.60	5.60
	जोड़	...	*62.05*	*62.05*	...	*61.97*	*61.97*	...	*61.62*	*61.62*
4. 4.01 गारण्टी शुल्क माफ करने के लिए हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कन्सट्रक्शन लि. को सब्सिडी	2852	...	6.60	6.60	...	...	...	...	...	...
4.02 गारंटी फीस की माफी के लिए भारत रिफ्रैकट्रीज लि. को सब्सिडी	2852	...	0.54	0.54	...	...	...	...	...	...
4.03 गारंटी शुल्क माफ करने के लिए मैकान लि. को सब्सिडी	2852	...	1.75	1.75	...	...	...	...	...	...
5 गारंटी फीस की माफी										
5.01 हिन्दुस्तान स्टील वर्क्स कन्सट्रक्शन लि.	2852	...	...	...	...	6.10	6.10	...	6.10	6.10
5.02 भारत रिफैक्ट्रीज लि.	2852	...	...	...	...	0.40	0.40	...	0.54	0.54
5.03 मैकान लि.	2852	...	...	...	...	1.75	1.75	...	1.65	1.65
5.04 पेनल गारंटी फीस की माफी - मैकान लि.	2852	...	...	...	...	4.27	4.27	...	...	...
घटाईये - घटाई गई प्राप्तियां निवल	0075	...	...	...	...	-12.52	-12.52	...	-8.29	-8.29
		...	...	...	...	...	...	...	...	...
	जोड़	...	*70.94*	*70.94*	...	*61.97*	*61.97*	...	*61.62*	*61.62*
6. सरकारी उद्यमों में निवेश	4852	63.00	...	63.00	63.00	...	63.00	...	...	...
	6852	2.00	...	2.00	2.00	...	2.00	15.50	...	15.50
	जोड़	*65.00*	...	*65.00*	*65.00*	...	*65.00*	*15.50*	...	*15.50*
7. अन्य कार्यक्रम	2852	...	1.94	1.94	...	1.96	1.96	...	1.70	1.70
कुल जोड़		***66.00***	***84.50***	***150.50***	***66.00***	***75.53***	***141.53***	***34.00***	***77.23***	***111.23***
ख. सरकारी उद्यमों में निवेश	विकास शीर्ष	बजट समर्थन	आं.ब.बा.सं.	जोड़	बजट समर्थन	आं.ब.बा.सं.	जोड़	बजट समर्थन	आं.ब.बा.सं.	जोड़
6.01 भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि.	12852	...	2641.00	2641.00	...	2007.00	2007.00	...	4674.00	4674.00
6.02 राष्ट्रीय इस्पात निगम लि.	12852	...	3056.70	3056.70	...	1861.15	1861.15	...	4166.00	4166.00
6.03 स्पंज आयरन इंडिया लि.	12852	...	5.00	5.00	...	5.00	5.00	...	5.00	5.00
6.04 हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लि.	12852	1.00	...	1.00	1.00	...	1.00	6.50	...	6.50
6.05 भारत रिफ्रैक्ट्रीज लि.	12852	1.00	...	1.00	1.00	...	1.00	8.00	...	8.00
6.06 राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लि.	12852	...	250.00	250.00	...	150.00	150.00	...	400.00	400.00
6.07 कुद्रेमुख लौह अयस्क कम्पनी लि.	12852	...	75.00	75.00	...	45.00	45.00	...	100.00	100.00
6.08 मैगनीज ओर इंडिया लि.	12852	...	65.00	65.00	...	140.06	140.06	...	117.20	117.20

(करोड़ रुपए)

		बजट 2007-2008			संशोधित 2007-2008			बजट 2008-2009		
	विकास शीर्ष	बजट समर्थन	आं.ब.बा.सं.	जोड़	बजट समर्थन	आं.ब.बा.सं.	जोड़	बजट समर्थन	आं.ब.बा.सं.	जोड़
6.09 बर्ड ग्रुप ऑफ कम्पनीज	12852	...	25.00	25.00	...	26.00	26.00	1.00	30.00	31.00
6.10 मैकान लि.	12852	63.00	3.00	66.00	63.00	...	63.00	...	...	...
6.11 एम एस टी सी लि.	12852	...	5.00	5.00	...	13.60	13.60	...	5.00	5.00
6.12 फेरो स्क्रैप निगम लि.	12852	...	12.00	12.00	...	12.00	12.00	...	11.80	11.80
जोड़		**65.00**	**6137.70**	**6202.70**	**65.00**	**4259.81**	**4324.81**	**15.50**	**9509.00**	**9524.50**
ग. आयोजना परिव्यय										
लोहा और इस्पात	12852	66.00	6137.70	6203.70	66.00	4259.81	4325.81	34.00	9509.00	9543.00

1. सचिवालय : यह प्रावधान इस्पात मंत्रालय के सचिवालय व्यय को पूरा करने के लिए हैं।

2. लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के संवर्धन की योजना : अनुसंधान एवं विकास कार्य को बढ़ावा देने और इसमें तेजी लाने के लिए नई योजना/तंत्र तैयार करने के लिए सांकेतिक प्रावधान किया गया है। यह योजना पर्यावरण अनुकूल तरीके से उच्च गुणवत्ता के इस्पात का लागत प्रभावी उत्पादन करने के लिए अभिनव/पथप्रदर्शक और उपयुक्त प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए अनुसंधान एवं विकास कार्य करेगी।

3. सब्सिडी

3.01 हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेडः स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना (वीआरएस) के कार्यान्वयन के लिए बैंकों से जुटाए गए ऋणों पर ब्याज के भुगतान के लिए।

3.02 मैकान लि. : स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना (वीआरएस) के कार्यान्वयन और सांविधिक देयताओं के भुगतान के लिए कंपनी द्वारा बैंकों/न्यासों से जुटाए गए ऋणों/बाँडों पर 50 प्रतिशत ब्याज के भुगतान के लिए।

5. गारंटी फीस माफी

5.01 ***हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेडः*** नकद साख और बैंक गारंटी और स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना (वीआरएस) के कार्यान्वयन के लिए बैंकों से जुटाए गए ऋणों के लिए भारत सरकार द्वारा दी गई गारंटी पर गारंटी शुल्क माफ करने के लिए।

5.02 भारत रिफ्रैक्ट्रीज लिमिटेडः नकद ऋण और बैंक गारंटी फीस और कार्यशील पूंजी की आवश्यकता हेतु, भारत सरकार द्वारा दी गई गारंटी पर गारंटी शुल्क माफ करने के लिए।

5.03 मेकॉन लिमिटेडः स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना (वीआरएस) के कार्यान्वयन के लिए बैंकों/ न्यासों से जुटाए गए ऋणों/बाँडों के लिए भारत सरकार द्वारा दी गई गारंटी पर गारंटी शुल्क माफ करने के लिए।

6. सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में निवेश

इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा विभिन्न पूंजीगत योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए इन उपक्रमों को इक्विटी निवेश तथा ऋणों के रूप में बजटीय सहायता प्रदान की जाती है। जबकि अधिकांश सरकारी उपक्रम योजना पर पूंजी व्यय को अपने आंतरिक एव बजट बाह्य संसाधनों के पूरा करते है। इन में से कमजोर उपक्रमों को बजटीय सहायता इस्विटी विनियोग और ऋण के विस्तार द्वारा दिया जाता है।

6.01 स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेडः इसके 5 प्रमुख इस्पात संयंत्र हैं जो बोकारो, भिलाई, राउरकेला, दुर्गापुर एवं सेलम में स्थित हैं और मिश्र इस्पात संयंत्र दुर्गापुर में स्थित है। 16.02.2006 से इंडियन आयरन एंड स्टील कंपनी (इस्को) जिसका एकीकृत इस्पाद संयंत्र बर्नपुर में है और सेल की सहायक कंपनी थी, का सेल में विलय कर दिया गया है और इसे इस्को स्टील प्लांट नाम दिया गया है। महाराष्ट्र इलैक्ट्रोस्मैल्ट लिमिटेड, जो फैरो मिश्र का उत्पादन करती है, सेल की एकमात्र सहायक कंपनी है। सेल संयंत्रों/इकाइयों और इसकी सहायक कंपनियों के योजना परिव्यय को सेल के आंतरिक और अतिरिक्त बजटीय संसाधनों से पूरा किया जा रहा है।

(i) बोकारो स्टील प्लांटः परिव्य में कुकिंग कोल भंडारण सुविधाओं का उत्थान, बीएफ-2 एवं 3 प्रणाली के सीडीआई प्रावधान, एसएमएस-2 में द्वितीय फरनेंस स्थापन, बीएफ-2 और अन्य चालू और नई स्कीमों के उन्नयन का व्यय शामिल है।

(ii) भिलाई स्टील प्लांटः परिव्यय में कोक ओवन बैटरी सं 5 के पुनर्निर्माण, स्लैब कास्टर की स्थापना, मैन स्टेप डाउन स्टेशन-5 और 700 टीजीडी आक्सीजन प्लांट और अन्य चालू और नई योजनाएं शामिल हैं।

(iii) राउर केला इस्पात संयंत्रः प्रमुख योजना परिव्यय में शामिल बीएफ-4 में सीडीआई प्रणाली की स्थापना, सीओबी-4, 700 टीपीडी आक्सीजन प्लांट और कोक ओवन गैस होल्डर की की स्थापना है।

(iv) दुर्गापुर स्टील प्लांटः योजना के अन्तर्गत परिव्यय में शामिल सहायक सुविधाओं सहित ब्लूम कास्टर, बीएफ-3 एवं 4 में कोलडस्ट इन्जेक्शन और डीएसपी विस्तार की जैसी नई योजनाओं पर होने वाला व्यय शामिल है।

(v) इस्को स्टील प्लांटः परिव्यय का अधिकांश भाग आईएसपी के विस्तार के लिए निर्धारित है। प्रावधान बीफ सं.2 और सीअबी-10 के पुनर्निर्माण के लिए भी किया गया है।

(vi) मिश्र इस्पात संयंत्रः परिव्यय में शामिल प्रमुख पूर्ण कीगई और चल रही योजनाएं जिनकी लागत 10 करोड़ से कम है और एएसपी का विस्तार है।

(vii) सेलम इस्पात संयंत्रः कम मूल्य की विविध योजनाओं और एसएसपी के विस्तार के लिए प्रावधान किया गया है।

(viii) विश्वैश्वरैया आयरन एंड स्टील लिमिटेडः परिव्यय कम मूल्य की विविध योजनाएं और एसएमएस में ब्लूम कास्टर स्थापना के लिए है।

6.02 राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेडः यह पहला तट आधारित एकीकृत इस्पात संयंत्र है जो कच्चे माल से पूर्व यूएसएसआर के तकनीकी से आर्थिक सहयोग से स्थापित किया गया था। जिसे यह फायदा है कि यह आदान सामग्री का आयात और तैयार उत्पादों का निर्यात आसानी से कर सकता है। इस परियोजना की सभी इकाइयों को जुलाई, 1992 तक चालू कर दिया गया था। इस्पात संयंत्र की अनुमोदित अंतिम लागत 8529.13 करोड रूपए थी। परिव्यय का प्रावधान चल रही योजनाओं जैसे क्षमता विस्तार (चरण -I) वर्धन, परिवर्तन, प्रतिस्थापन और (एएमआर) योजनाओं तथा कोक ओवन बैटरी संख्या-4(चरण-I और II) लौह अयस्क तथा कोकिंग कोयला खानों के अधिग्रहण और पुल्वेराईज्ड कोल इंजेक्शन लोह अयस्क भंडारण सुविधा, पावर एवेक्वेशन प्रणाली आदि के लिए किया गया है। प्रस्तावित परिव्यय को कंपनी के आंतरिक संसाधनों से पूरा किया जाएगा।

6.03 स्पंज आयरन इंडिया लिमिटेडः स्पंज आयरन संयंत्र को लम्प लौह अयस्क और 100% गैर कोकिंग कोयले से स्पंज लोहे के उत्पादन की प्रौद्योगिक

http://indiabudget.nic.in

- आर्थिक व्यवहार्यता स्थापित करने के लिए यू एन डी पी/यूनिडो की सहायता से स्थापित किया गया था। इस इकाई का नियमित प्रचालन नवंबर, 1980 में शुरू किया गया था और इसे उत्पादन तथा अनुसंधान एवं विकास, दोनों के लिए रूपांकित किया गया है। परिव्यय की आवश्यकता ए एम आर योजनाओं के लिए है। इसके लिए कोई बजटीय सहायता नहीं मांगी गई है।

6.04 हिंदुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेडः 1964 में निगमित इस कंपनी को आधुनिक इस्पात संयंत्रों का पूरा निर्माण कार्य करने और अवसंरचना के क्षेत्र में उन परियोजनाओं से संबंधित कार्य करने की विशेषज्ञता हासिल है जिनके लिए उच्च स्तर की आयोजना, समन्वय और आधुनिकतम प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता होती है। नए निर्माण उपस्करों की खरीद और मशीनरी के लिए किया गया है। कुल आयोजना परिव्यय बजटीय सहायता से पूरा किया जाएगा।

6.05 भारत रिफ्रैक्ट्रीज लिमिटेडः इसके नियंत्रणाधीन भंडारीदह रिफ्रैक्ट्रीज संयंत्र, रांची रोड रिफ्रैक्ट्रीज संयंत्र, भिलाई रिफ्रैक्ट्रीज संयंत्र और इफिको रिफ्रैक्ट्रीज संयंत्र नामक चार इकाइयां हैं। कम्पनी स्टील प्लाटों के लिए विभिन्न प्रकार के रिफैक्ट्रीज का निर्माण करती है। एएमआर स्कीमों के लिए प्रावधान किया गया है और पूरी तरह बजटीय सहायता से पूरा किया जाएगा।

6.06 नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशनः एन एम डी सी देश का लौह अयस्क और हीरों का एक मात्र सबसे बड़ा उत्पादक है। कंपनी फैरिक ऑक्साइड और लौह चूर्ण आदि जैसे उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों का उत्पादन भी शुरू कर रही है। एम एम डी सी के योजना परिव्यय का प्रावधान चल रही ए एम आर योजनाओं, बस्ती तथा अनुसंधान एवं विकास योजनाओं तथा नई योजनाओं जैसे कुमारस्वामी लौह अयस्क परियोजना, बैलाडिला निक्षेप 11-बी और कर्नाटक में विंडमिल के लिए किया गया है। पूरे परिव्यय को कंपनी के आंतरिक एवं अतिरिक्त बजटीय संसाधनों से पूरा किया जा रहा है।

6.07 कुद्रेमुख आयरन ओर कंपनी लिमिटेडः योजना परिव्यय डक्टाईल आयरन स्पन पाईप प्लांट, मंगलौर में रेल द्वारा लौह अयस्क प्राप्त करने के लिए अवसंरचना का विकास एएमआर योजनाओं और अनुसंधान एवं विकास तथा साध्यता अध्ययन जैसी योजनाओं के लिए प्रावधान किया गया है। परिव्यय को बगैर किसी बजटीय सहायता के आंतरिक एवं अतिरिक्त बजटीय संसाधनों से पूरा किया जा रहा है।

6.08 मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेडः मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड भारत सरकार और मध्य प्रदेश तथा महाराष्ट्र सरकार के संयुक्त स्वामित्व वाली कंपनी हैं। यह देश की मैंगनीज अयस्क की सबसे बडी उत्पादक है। लाभप्रदता में सुधार करने के लिए कंपनी ने इलैक्ट्रोलाइटिक मैंगनीज डाईऑक्साइड और फैरो मैंगनीज जैसे मूल्य वर्धित उत्पादों का उत्पादन शुरू करके विविधीकरण किया है। बालाघाट खान में एकीकृत सज्जीकरण संयंत्र और जल आपूर्ति योजना, संयुक्त उद्यम में निवेश, विंड पावर जेनरेशन योजना, एएमआर योजनाओं, बस्ती तथा अनुसंधान एवं विकास, साध्यता अध्ययन जैसी योजनाओं को निष्पादित करने के लिए प्रावधान किया गया है। पूरे परिव्यय को कंपनी के आंतरिक एवं अतिरिक्त बजटीय संसाधनों से पूरा किया जा रहा है।

6.09 बर्ड ग्रुप कंपनियां अक्टूबर, 1980 में भारत सरकार द्वारा अधिग्रहीत बर्ड ग्रुप कंपनियां प्रमुख रूप से खनन से संबंधित कार्य और गहरे नल कूप लगाने और खनिज गवेषण से संबंधित कार्य करती हैं। यह प्रावधान वन रोपण तथा पट्टा मामलों, खनिज आधारित उद्योगों, ए एम आर योजनाओं के लिए किया गया है। इस परिव्यय की व्यवस्था 1 करोड़ की बजट सहायता के अलावा कंपनी के आंतरिक तथा अतिरिक्त बजटीय संसाधनों से की जाएगी।

6.11 एम एस टी सी लिमिटेडः यह कंपनी भारत सरकार की एक व्यापारिक कंपनी है जो फैरस स्क्रैप और एकीकृत इस्पात संयंत्रों में उत्पादन के दौरान उत्पन्न अन्य गौण सामग्रियों के निपटान और अन्य सरकारी क्षेत्र के उद्यमों और सरकारी विभागों के स्क्रैप और अधिशेष भंडारों के निपटान का कार्य करती है। माध्यमीकरण समाप्त कर दिए जाने के पश्चात् कंपनी के पास कोई माध्यमीकृत मद नहीं है और यह निजी क्षेत्र के साथ प्रतिस्पर्धा में वास्तविक उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं के अनुसार अन्य मदों के साथ-साथ स्क्रैप का आयात करती है। यह प्रावधान स्टॉकयार्ड और गोदामों की स्थापना करने और ई-बिजनेस पोर्टल विकसित करने के लिए किया गया है। योजना परिव्यय को कंपनी के आंतरिक और अतिरिक्त बजटीय स्रोतों से पूरा किया जा रहा है।

6.12 फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेडः एफ एस एन एल, जो पहले एम एस टी सी लि. और मै. हार्सको कारपोरेशन इंक. यू एस ए की एक संयुक्त क्षेत्र की कंपनी थी, अब एम एस टी सी लि. की 100 प्रतिशत सहायक कंपनी बन गई है। जिसने मै. हार्सको कारपोरेशन इंक के द्वारा एमएसटीसी के धारित अंशी का 40% भाग अधिग्रहीत किए हैं । कंपनी दुर्गापुर, राउरकेला, बर्नपुर, भिलाई, बोकारो, विशाखापट्टनम और डोल्वी में स्थित इस्पात संयंत्र से स्क्रैप की प्राप्ति और प्रक्रमण का कार्य करती है। स्लैग के प्रक्रमण और डम्पों से लोहे और इस्पात के पुनः संसाधन हेतु कंपनी को विभिन्न प्रकार के उपस्करों और आधुनिक प्रौद्योगिकी पर निर्भर होना पडता है। योजना परिव्यय ए एम योजनाओं से संबंधित व्यय को पूरा करने के लिए है जिसे कंपनी के आंतरिक और बाह्य बजटीय संसाधनों से पूरा किया जाएगा।

7. अन्य कार्यक्रमः इनमें मंत्रालय के एक संबद्ध कार्यालय, लोहा और इस्पात विकास आयुक्त कार्यालय, कोलकात्ता पर होने वाला स्थापना संबंधी व्यय और प्रख्यात धातु वैज्ञानियों को वार्षिक रूप से दिए जाने वाले पुरस्कारों पर होने वाला व्यय शामिल है।